POLITICAL SCIENCE Dep.
B.A-2 (Sub.)

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College
Tajpur, Samastipur

संशोधन प्रक्रिया (Amending Process)

मानव समाज विकासशील है इसलिए संविधान भी विकासशील होते हैं। संविधान के विकास के तीन मुख्य साधन हैं — (1) रीति-रिवाज (2) न्यायिक निर्णय (3) संशोधन की प्रक्रिया। अधिकांश संविधानों विशेषकर लिखित संविधानों के विकास का प्रमुख स्रोत संशोधन की प्रक्रिया है। आम तौर पर संशोधन की प्रक्रिया का उल्लेख संविधान में ही कर दिया जाता है।

गार्नर के अनुसार "कोई भी लिखित संविधान संशोधन संबंधी उपबंधों के बिना पूर्ण नहीं है। मानव समाज को समय बीतने के साथ-साथ उन्नत और विकसित होना चाहिए और यदि उसके आंतरिक विकास की आवश्यकता के अनुसार इसे संवैधानिक समन्वय करने की धारा नहीं बनाई जाती तो यह गति अप्रगतिकारी हो सकती है।"

संवैधानिक संशोधन की शक्ति संविधान-निर्मात्री शक्ति का ही एक रूप है। संशोधन के द्वारा संविधान की मौलिक विधियों में केवल संशोधन लाया जा सकता है उसे रद्द नहीं किया जा सकता।